महत्वपूर्ण एवं खास

पंचायत सचिव चमरूराम बरिहा निलंबित

रायगढ़ । जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.रवि मित्तल ने जनपद पंचायत सारंगढ़ ग्राम पंचायत मौहाढोढ़ा के ग्राम पंचायत सचिव चमरूराम बरिहा को ग्राम पंचायत सचिवों की साप्ताहिक बैठक में अनुपस्थित रहने, कोविड-19 वेक्सीनेशन की जानकारी नहीं देने, ग्राम पंचायत स्तर पर दिव्यांगजनों का सर्वेक्षण कर पंजी संधारित नहीं करने, वर्ष 2021-22 का वार्षिक बजट अनुमोदन हेतु प्रस्तुत नहीं करने एवं अपने पदीय कर्तव्यों एवं दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत सारंगढ़ निर्धारित किया गया है।

अंजनी स्टील्स लिमिटेड के महाप्रबंधक शिवलोचन यादव ने अपर कलेक्टर को 200 नग पीपीई किट सौंपा

रायगढ़ (आरएनएस)। देश वैश्विक महामारी के दौर से गुजर रहा है। हमारा रायगढ़ जिला भी इससे अछूता नहीं है। जिले में बढ़ते मामले को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा तमाम उपाय किये जा रहे है। कोरोना वायरस के साथ संघर्ष के इस दौर में दानदाता भी आगे आकर प्रशासन का सहयोग कर रहे है। इसी कड़ी में आज अंजनी स्टील्स लिमिटेड के महाप्रबंधक शिवलोचन यादव ने कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित अपर कलेक्टर आर.ए. कुरुवंशी के समक्ष 200 नग पी.पी.ई. किट प्रदान किया। जिससे कोरोना काल में लगे जिला प्रशासन के लोगो को सुरक्षा में सहयोग मिल सके। जिला प्रशासन ने इस सहयोग के लिए अंजनी स्टील्स लिमिटेड का आभार जताया है।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

कोंडागांव (आरएनएस)। जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में एक युवक ने जंगल में पेड पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मसोरा ग्राम पंचायत में रहने वाला विजय सिंह पिता गुरमेल सिंह उम्र 32 वर्ष ने बड़ेकनेरा ग्राम पंचायत के जंगल में सरई पेड़ में गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेते हुए शव को पीएम के लिए भिजवा दिया है। परिवार वालों के अनुसार मृतक विजय काफी समय से बीमार एवं मानसिक रूप से परेशान था।

नक्सली कैंप ध्वस्त कर बरामद आईईडी निष्क्रिय किया

सुकमा (आरएनएस)। जिले के केरलापाल के पोंगाभेज्जी इलाके में जवानों को नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी और सीआरपीएफ के जवानों को सर्चिंग पर रवाना किया गया था। मौके पर पंहुचकर जवान जैसे ही घेराबंदी कर आगे बढ़ रहे थे, इसी दौरान नक्सलियों ने डीआरजी और सीआरपीएफ के जवानों को देखकर अपना कैंप छोड़ भागे खड़े हुए।

स्टॉफ नर्स पद के लिए दस्तावेज सत्यापन

बालोद (आरएनएस)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी.मेश्राम ने बताया कि राज्य आपदा मोचन निधि अंतर्गत स्टॉफ नर्स पद हेतु प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सूची का प्रकाशन किया गया था। उन्होंने बताया कि जिले के ऐसे अन्य अभ्यर्थी जो न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता अहर्ता धारित है तथा कोविड अस्पताल बालोद एवं कोविड संबंधी कार्य करने हेतु इच्छुक हैं वे 30 अप्रैल एवं 01 मई 2021 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक उपस्थित हो सकते हैं एवं अन्य जिले के अभ्यर्थी प्रकाशित मेरिट सूची अनुसार 03 मई 2021 को दोपहर 12 बजे से दोपहर 03 बजे तक दस्तावेज सत्यापन हेतु कार्यालय (टीकाकरण कक्ष के पीछे गेट) में उपस्थित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी उक्त सूची का अवलोकन जिले की वेबसाईट बालोद डॉट जीओवी डॉट इन में देख व डाउनलोड कर सकते हैं।

1000 ऑक्सीजन बेड की सुविधा तैयार करने के लक्ष्य के करीब 1500 ऑक्सीजन बेड्स बढ़ाने का तैयार कर लिया गया है रोडमैप

असाधारण आपदा के दौर में संकल्प शक्ति से खड़ा किया गया ऑक्सीजन बेड्स का इंफ्रास्ट्रक्चर

» फ्लोमीटर के लिए कलेक्टर सिंह ने देश का कोना-कोना सर्च किया, डीलर भी पर्याप्त आपूर्ति नही कर पाए तो बैचमेट्स से संपर्क साधा, आखिरकार मिल ही गई ऑक्सीजन की पूरी संजीवनी

रायगढ़ । कोविड की इस असाधारण आपदा के दौर में ऑक्सीजन बेड्स संजीवनी हैं। दिल्ली और लखनऊ जैसे महानगरों से ऑक्सरजन बेड्स की कमी के समाचार आ रहे हैं। ऐसे में कोविड संक्रमण की भयावह आपदा से जूझ रहे छोटे से जिले रायगढ़ ने प्रशासनिक दक्षता की मिसाल कायम की है। कुछ दिनों के भीतर ही यहां 300 अतिरिक्त आक्सीजन बेड्स तैयार किये गएए निजी अस्पतालों में भी ऑक्सीजन बेड की क्षमता बढ़ाई जा रही है। अभी 550 ऑक्सीजन बेड पाइपलाइन और 150 सिलेंडर से शुरू कर दी गयी हैं। 200 बेड की पूरी तैयारी है ऑक्सीजन फ्लोमीटर आते ही अगले कुछ दिनों में यह ऑपरेशनल हो जाएगा। इस प्रकार जिले में 1000 ऑक्सीजन बेड शुरू करने का लक्ष्य का काफी करीब है। इसे आगे 1500 ऑक्सीजन बेड्स तक बढ़ाने का रोडमैप तैयार किया जा चुका है। कलेक्टर भीम सिंह के नेतृत्व में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। आक्सीजन के फ्लो को मेंटेन रखने फ्लोमीटर का संकट पूरे देश मे है। ऐसे में बेहद कुशलता के साथ रात-दिन देश के डीलरों के साथ कलेक्टर ने स्वयं संपर्क कर इसकी आपूर्ति सुनिश्चित की। जब आश्वस्त हुए तभी पता चला कि वे डिमांड की थोड़ी आपूर्ति ही कर पाएंगे। फिर कलेक्टर ने अपने बैचमेट्स से बात की। पूरे देश मे संपर्क किया और फ्लोमीटर की व्यवस्था में लगे हैं। आज 100 नग फ्लोमीटर मुम्बई से आ जाएंगे। इसके साथ ही अगले सप्ताह 800 फ्लोमीटर की आपूर्ति और होगी।

असाधारण समय आपसे असाधारण प्रयासों की मांग करता है। रायगढ़ में अब पर्याप्त आक्सीजन बेड्स हैं और कोई भी ऑक्सीजन की कमी से पीड़ित नही होगा। कलेक्टर भीम सिंह ने जिले में ऑक्सीजन बेड की सुविधा तैयार करने हर संभव प्रयास कर रहे हैं। कोविड नियंत्रण के सभी उपायों को लागू कराने के साथ दवाईयों से लेकर मैन पॉवर व अन्य संसाधनों का इंतजाम हो, सभी कार्यों

में उतनी ही मुस्तैदी से दिन-रात जुटे हुये है। इसके परिणाम भी हमारे सामने हैं। कोरोना की दूसरी लहर की जब शुरूआत हो रही थी रायगढ़ के एमसीएच व 200 बिस्तर कोविड अस्पताल में ऑक्सीजन बेड की सुविधा थी। निजी अस्पताल अपने स्तर पर पहली लहर के मुताबिक तैयारी कर रखी थी। लेकिन कोविड ने इस लहर ने जैसे-जैसे अपना रूप दिखाया, ऑक्सीजन बेड की डिमांड तेजी से बढ़ी। इस चुनौती को स्वीकारते हुये कलेक्टर सिंह ने खुद मोर्चा संभाला। कोविड के उपचार के लिये शुरू किये गये 500 बेड केआईटी कोविड केयर सेंटर में 300 बिस्तर ऑक्सीजन करने की चुनौती रखी। जिसमें से 150 बिस्तर तैयार कर लिये गये हैं।

जिले में अभी 550 ऑक्सीजन बेड पाईप लाईन की सुविधा तथा 150 बेड सिलेण्डर की सहायता से शुरू कर लिया गया है। केआईटी 150 बेड तथा मंगल भवन सारंगढ़ में 50 बिस्तर और तैयार लिये गये है। जिनमें से सिलेण्डर के माध्यम से मरीजों को ऑक्सीजन सुविधा दी जायेगी। इन अस्पतालों में बेड लगाना, सिलेण्डर की व्यवस्था जैसे तमाम कार्य कर लिये गये हैं। बस इंतजार हो रहा है फ्लोमीटर का। फ्लोमीटर वह उपकरण होता है जो सिलेण्डर से मरीज की जरूरत के हिसाब से ऑक्सीजन का फ्लोमेंटेन करके रखता है। ऑक्सीजन बेड की जिस तरीके से डिमांड बढ़ी है इसके चलते यह पूरे प्रदेश का पूरे देश में इसकी किल्लत खड़ी हुई है। कलेक्टर भीम सिंह ने इन सबके बीच दिल्ली, मुंबई, तमिलनाडू, ओड़िसा हर जगह में अपने बैचमेट्स अधिकारियों से संपर्क साधते हुए जिले के लिये तेजी से फ्लोमीटर की व्यवस्था में लगे है। उनके प्रयास का परिणाम है कि 100 नग फ्लोमीटर आज मुंबई से डिस्पैच होकर पहुंच जायेगा।

फ्लोमीटर की व्यवस्था करना अभी प्राथमिकता है। एक डीलर से चर्चा होने पर उसमें 2000 नग फ्लोमीटर देने की बात कही थी। लेकिन वह फ्लोमीटर कहीं और दे दिये गये। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अपने वैचमेट्स से संपर्क साधा। उत्तर प्रदेश के बैचमेट से बात की तो वहां के डीलर से भी 200 पीस डिलीवरी करने की बात हुई। लेकिन मिले सिर्फ 50। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक सचिव तथा तमिलनाडु के मेडिकल इक्विपमेंट एसोसियेशन के माध्यम से बात की तो पता चला 200 पीस फ्लोमीटर मिलेंगे। लेकिन 10 नग ही मिल पाये। इस बीच मुंबई से 100 नग फ्लोमीटर मिल गए व डिस्पेच हो गये है।

सोमवार को दिल्ली से 100 तथा मुंबई से सोमवार को 100 और बुधवार को 100 सहित 200 और मंगाये गये है। कलकत्ता के एक डीलर से 500 नग की और व्यवस्था की गयी है। जब पूरे प्रदेश में ऑक्सीजन बेड बढ़ाने की दिशा में काम हो रहा है। फ्लोमीटर की भारी मांग बनी है। ऐसे में जिले के लिये इतने बड़े पैमाने पर फ्लोमीटर उपलब्ध करवाना अपने आप में एक उपलब्धि है। इन फ्लोमीटर के आते ही अगले सप्ताहांत तक जिले में एक हजार ऑक्सीजन बेड की सुविधा तैयार कर ली जायेगी। इसके पश्चात खरसिया में 150 बिस्तर, पूंजीपथरा में 150 बिस्तर, धरमजयगढ़ में 30 तथा लैलूंगा में 30 बिस्तर सहित अन्य स्थानों में 500 ऑक्सीजन बेड बढ़ाने की तैयारी की जा रही है जिससे जिले में 1500 ऑक्सीजन बेड की सुविधा तैयार हो सके है। इस बीच पाइप लाइन वाले ऑक्सीजन बेड की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। मेडिकल कालेज में पाईप लाइन से ऑक्सीजन सप्लाई का काम भी तेजी से पूरा रहा है। यहां स्थापित ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट की क्षमता बढ़ाई जा रही है। इसके लिये दिल्ली से उपकरण एयर लिफ्ट करवाया जा रहा है। रविवार तक यहां 100 ऑक्सीजन बेड और तैयार कर लिया जायेगा। इसके साथ ही ओड़िसा से टेक्नीशियन्स को बुलवाकर ग्राउण्ड फ्लोर में बेड बढ़ाने के लिये पाईप लगवाने का कार्य तेजी से पूरा करवाया जा रहा है। जिससे यहां भी 60 बेड में पाईप लाईन से ऑक्सीजन की सुविधा मिल सके। इसके साथ साथ ही अस्पतालों के लिए वेंटिल्टर्स और बाईपेप मशीनों की व्यवस्था का कार्य जारी है। जिससे गंभीर मरीजों के उपचार में आसानी होगी।

ज्यादा कीमत पर पल्स ऑक्सीमीटर बेचने पर विकास मेडिकल स्टोर पर 5 हजार रुपये का जुर्माना

रायगढ़ । कोरोना के बढ़ते वायरस की संक्रमण को देखते हुए ऑक्सीजन लेवल जांच वाले पल्स ऑक्सिमीटर की मांग बढ़ी है। इस बीच इसे तय कीमत से अधिक में बेचे जाने की बातें सामने आयी।

कलेक्टर भीम सिंह को जब इस बात की शिकायत मिली तो उन्होंने सभी एसडीएम को मेडिकल स्टोर्स की जांच कर अधिक दामों पर पल्स ऑक्सिमीटर बेचने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में नायब तहसीलदार विक्रांत सिंह राठौर ने आज गांधी प्रतिमा के पास स्थित विकास मेडिकल स्टोर प्रो.सूरज प्रकाश सलूजा के दुकान में एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर पल्स ऑक्सीमीटर खरीदने भेजा। जहां व्हाइट प्लस ऑक्सीमीटर

को 1900 रुपये में बेचते पाया गया। दुकानदार को बिल प्रस्तुत करने कहा गया उपरोक्त बिल में होल सेलर से 1200 रुपये तथा जीएसटी 12 प्रतिशत कुछ 1344 रुपये के क्रय किया जाना पाया गया। मेडिकल दुकानदार पर इस प्रकार पल्स ऑक्सिमीटर के लिये मुनाफाखोरी करने पर 5 हजार का जुर्माना लगाया गया।

कोविड मरीज के मृत्यु पश्चात पार्थिव शरीर के परिवहन हेतु निजी एम्बुलेंस का किराया दर निर्धारित

रायगढ़ । कलेक्टर भीम सिंह द्वारा स्वास्थ्य कारणों से मरीजों के आवागमन तथा कोविड-19 पॉजीटिव/संदिग्ध व्यक्तियों की मृत्यु पश्चात पार्थिव शरीर के परिवहन हेतु निजी व्यक्तियों द्वारा निजी एम्बुलेंस की आवश्यकता होने पर एम्बुलेंस के रूप में प्रयुक्त वाहन का अधिकतम किराया विभिन्न शर्तों के अधीन निर्धारित किया गया है।

टेम्पो ट्रेव्हलर (फोर्स)टाटा विगर 108 समतुल्य वाहन के लिये किराया आधा दिन

6 घंटे 50 कि.मी.के लिये 1100 रुपये, किराया प्रतिदिन 100 कि.मी. के लिये 2000 रुपये तथा अतिरिक्त किराया प्रति कि.मी.14 रुपये निर्धारित की गई है। इसी तरह टाटा सुमो एम्बुलेंस, बोलेरो, समतुल्य वाहन के लिये किराया आधा दिन 6 घंटे 50 कि.मी.के लिये 900 रुपये, किराया प्रतिदिन 100 कि.मी. के लिये 1600 रुपये तथा अतिरिक्त किराया प्रति कि.मी.10 रुपये तथा मारूती ओमनी, ईको, वेगनआर समतुल्य वाहन के लिये किराया आधा दिन 6 घंटे 50 कि.मी.के लिये 600 रुपये, किराया प्रतिदिन 100 कि.मी. के लिये 1100 रुपये तथा अतिरिक्त किराया प्रति कि.मी.8 रुपये निर्धारित की गई है।

प्रतिदिन किराया दर में वाहन 100 कि.मी.तथा प्रति अर्द्ध दिवस 50 कि.मी.चलित सम्मिलित है, जिसमें पेट्रोल/डीजल वाहन मालिक द्वारा देय होगा। वाहन चालक का समस्त व्यय (वेतन भत्ता आदि)संबंधित वाहन मालिक द्वारा देय होगा। कार्यालय राज्य शिष्टाचार अधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा निर्धारित शर्तों को मान्य करना होगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

कुत्तों के हमले से घायल चीतल कूदा पानी में, शिक्षक ने सरोवर में कूद बचाया चीतल को

कोरबा (आरएनएस)। अपने काम से मतलब रखने वाले लोगों की संख्या दुनिया में काफी है, जिन्हें औरों से कोई वास्ता नहीं रहता। लेकिन इसी दुनिया में कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें दूसरों के लिए जीने में विशेष आनंद मिलता है। भविष्य निर्माता कहे जाने वाले एक शिक्षक ने कुछ ऐसा ही काम किया। हमले में घायल चीतल को बचाने के लिए शिक्षक ने अपने बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचते हुए काफी गहरे तालाब में छलांग लगा दी और चीतल को बचाने में सफलता प्राप्त की। इस मामले की चर्चा आसपास में हो रही है।

जानकारी के अनुसार गर्मी के मौसम में जंगलों से निकलकर शाकाहारी समुदाय के प्राणी चारा-पानी की तलाश में आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने लगे हैं। इसके साथ ही उन पर हमले हो रहे हैं। पाली क्षेत्र में कुत्तों के हमले में घायल चीतल ने भीड़ को देखकर तालाब में छलांग लगा दी। इसे देखते हुए पास में खड़े शिक्षक ने भी तालाब में कूदकर गहरे पानी में पहुंच गए चीतल का रेस्क्यू कर उसकी जान बचाई। घायल चीतल का पशु चिकित्सालय में उपचार किया गया।

नगर पंचायत पाली के नौकोन्हिया तालाब के निकट बुधवार शाम लगभग 6 बजे अपनी प्यास बुझाने आए वयस्क मादा चीतल पर कुत्तों की नजर पड़ गई और कुत्तों ने उसे बुरी तरह दबोच कर घायल कर दिया। इवनिंग वॉक पर घूम रहे कुछ लोगों ने कुत्तों के चंगुल से लहूलुहान हो चुके चीतल को छुड़ाया। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। वन कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। इसी बीच मौके पर भीड़ को देखकर चीतल ने लड़खड़ाते हुए तालाब में छलांग लगा दी। घायल हिरण की मौत निश्चित दिख रही थी। इसे देखकर अचानक एक शिक्षक ने भी तालाब में छलांग लगा दी और तैरते हुए गहरे पानी में समा रहे घायल चीतल को किसी तरह तालाब के किनारे लाया और काबू किया। प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से घायल हिरण को वाहन से पशु चिकित्सालय ले जाया गया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। चीतल की जान बचाने के लिए तालाब में कूदने वाले जेमरा शाला में पदस्थ शिक्षक रामभरोस कंवर की प्रत्यक्षदर्शियों ने मुक्तकंठ से सराहना की है।

सरकारी विद्यालय के शिक्षक के द्वारा चीतल की जान बचाए जाने को सामाजिक सरोकार से जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने आत्म प्रशंसा के बजाय मूक पशु की जिंदगी को महत्व दिया। कहा जा रहा है कि अगर शहरी क्षेत्र में ऐसा कुछ होता तो लोग पहले वीडियो बनाने पर ध्यान देते भले ही किसी के प्राणों पर क्यों ना कायम रहे।

कोविड ड्यूटी में तैनात शिक्षक को पुलिस ने पीटा

» कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई का दिया आश्वासन

दन्तेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के कुआकोंडा ब्लॉक में कोविड-19 ड्यूटी में लगे विजेंद्र गुप्ता सहायक शिक्षक के साथ एक पुलिसकर्मी के द्वारा मारपीट की गई, जिसके विरोध में छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला दंतेवाड़ा, शालेय शिक्षा कर्मी संघ दंतेवाड़ा, सहायक शिक्षक फेडरेशन दंतेवाड़ा ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि कोरोना महामारी के बीच शिक्षक बिना बीमा और बिना किसी सुरक्षा उपकरण के अपनी जान जोखिम में डालकर ड्यूटी कर रहा है। इसमे सिपाही द्वारा किया गया व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नही हैं।

शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर दीपक सोनी एवं पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव से मिलकर आरोपी सिपाही के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई है। कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने चिलचिलाती धूप में डटे पुलिस के अधिकारी व जवान

» शहर के साथ ग्रामीण इलाकों में भी पुलिस की कड़ी निगरानी, बढ़ाई गई कोविड हॉस्पिटलों की सुरक्षा

रायगढ़। कोरोना वायरस संक्रमण से जिलेवासियों को बचने जिला प्रशासन द्वारा 14 अप्रैल से पूरे जिले में कर्फ्यू लगाया गया है। 15 दिनों से लगातार दिन और रात शहर में सशस्त्र बल, नगर सैनिकों के साथ जिला पुलिस के अधिकारी व जवान सड़क किनारे टेंट के सहारे लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने में लगे हुये हैं। अनुविभागों में पुलिसकर्मियों के साथ शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों की

ड्यूटी लगाई गई है जो पूरी जिम्मेदारी के साथ बैरियर/चेक पोस्ट पर ड्यूटी कर रहे हैं। शहर के साथ ग्रामीण इलाकों में भी पुलिस बेवजह आवाजाही करने वालों पर सख्ती की जा रही है। मुख्य मार्गो के चेक पोस्ट के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी गांव वाले पुलिस स्टाफ को व्यवस्था बनाने में पूरा सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

पिछले दिनों कोविड हॉस्पिटल में मरीरों के परिजनों द्वारा डॉक्टर्स व मेडिकल स्टाफ के साथ अभद्रता किये जाने पर सभी शासकीय एवं निजी हॉस्पिटलों की सुरक्षा तगड़ी कर दी गई है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ थाना, चौकी प्रभारीगण समय-समय पर पेट्रोलिंग कर सुरक्षा का जायजा लिया जा रहा है।

वैक्सीनेशन एवं टेस्टिग सेंटर में संक्रमण के फैलाव को रोकने विशेष रूप से पुलिस व्यवस्था की गई है।

जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, ड्यूटी में परेशानी जरूर आ रही है जिसे देखते हुए कर्मचारियों की शिफ्ट में ड्यूटी लगाई जा रही है। वायरस की दूसरी लहर में 45 अधिकारी व जवान संक्रमित हुये हैं,

स्थिति को देखते हुये विशेष परिस्थितियों को छोड़कर पुलिसकर्मियों की सभी प्रकार की छुट्टियों पर रोक लगा दी गई है।

जवानों का हौसला बढाते एसपी संतोष सिंह को प्रतिदिन फिल्ड पर देखे जा सकता है। उन्होंने जवानों को अनिवार्य रूप से मास्क और ग्लव्स पहनें और ड्यूटी दौरान चेहरा, नाक, कान छुने मना किया गया है तथा ड्यूटी के दौरान एक-दूसरे से एक मीटर की दूरी पर रहने निर्देशित किये हैं। अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था पर तैनात कर्मचारियों को मास्क, सैनिटाइजर व अन्य जरूरी सामग्रियों का वितरण किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर जवानों के लिये उनके ड्यूटी पाइंट पर भोजन पैकेट की व्यवस्था कराई गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा कर्मचारियों को भोजन और राशन वितरण के दौरान पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिये हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर सभी थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रभारियों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली गई है , जुर्माने व एफ.आई.आर दर्ज की कार्यवाही अनवरत जारी है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480